INDIAN COUNCIL OF MEDICAL RESEARCH
Serving the nation since 1911

NATIONAL INSTITUTE OF IMMUNOHAEMATOLOGY

आईसीएमआर- हीमोग्लोबिनोपॅथी अनुसंधान प्रबंधन और नियंत्रण केंद्र
(आईसीएमआर- राष्ट्रीय प्रतिरक्षा रुधिर विज्ञान संस्थान)
मौजा खुटाळा, प्लॉट नं. ९५/१, सर्व्हे नं. ९५/१ & ९२,
चंद्रपूर - ४४२ ४०६ महाराष्ट्र दूरध्वनी : ०७१७२-२६३२३१

सरल सवाल आसान जवाब (सिकलसेल बारें में)

सवाल १ : सिकलसेल रोग कैंसे होता है?

जवाब : सिकलसेल यह वंशानुगत बिमारी है केवल माता और पिता द्वारा ही उनके बच्चो में संचारीत होती है।

सवाल २ : क्या, सिकलसेल पिडीत (SS) व्यक्तीसे शादी करने पर या यौन संबंध सें सिकलसेल हो सकता है ?

जवाब : नही , सिकलसेल रोग केवल सिकलसेल वाहक (AS) या सिकलसेल पिडीत (SS) माता पिता द्वारा बच्चो को प्रेषित होता है।

सवाल ३ : क्या, पूर्वजो द्वारा पशु का मांस खाने सें सिकलसेल रोग का प्रकोप हुवा?

जवाब : नही, इसपर कोई शोध उपलब्ध नही है। और कोई प्रमाण नही है, इसलिए उपरोक्त कथन पूर्णत:ह गलत है।

सवाल ४ : क्या, सिकलसेल रोग कुछही विशेष जाती समुह कें लोगो में पाया जाता है?

जवाब : नही, यह कहना गलत होगा, बल्की बहुतांश भारतीय जाती समुह में सिकलसेल बिमारी कम या अधिक हो सकती है।

सवाल ५ : क्या, सिकलसेल रोग भगवान के क्रोध या जादुटोनेसे होता है?

जवाब : नही, सिकलसेल एक वंशानुगत बिमारी है जो भगवान के क्रोध या जादु के कारण नही होती है।

सवाल ६ : क्या, आयुर्वेदिक (झाडपत्ती) की दवाईयोंसे सिकलसेल रोग को पुरी तरह सें ठिक किया जा सकता है?

जवाब : नही, आयुर्वेदिक या कोई अन्य दवा सिकलसेल रोग को पुरी तरह ठिक नही कर सकती, लेकीन उचित दवाईयोंसे इस बिमारी को नियंत्रित कर सकते है।

सवाल ७ : क्या, माता पिता के स्वस्थ होने पर भी उनके बच्चो को सिकलसेल बिमारी हो सकती है?

जवाब : नही, स्वस्थ माता पिता की संतान सिकलसेल पिडीत (SS) या सिकलसेल वाहक (AS) नही बन सकती।

सवाल ८ : क्या, सिकलसेल पिडीत (SS) व्यक्ती की जल्दी मृत्यु हो जाती है?

जवाब : नही. उचित और नियमित दवा के साथ सिकलसेल पिडीत (SS) व्यक्ती भी औसत आयु मर्यादा तक जिवन व्यतीत करते है। केवल और केवल उचित इलाज और सही दवाईयों के अभाव से रोग बढकर मृत्यु हो सकती है।

सवाल ९ : सिकलसेल रोग उम्र के किस पडाव में होता है?

जवाब : सिकलसेल रोग जन्मसेही होता है।

सवाल १० : सिकलसेल की जाँच कहा होती है?

जवाब : सभी सरकारी अस्पताल, मेडीकल कॉलेज और हिमोग्लोबिनोपॅथी अनुसंधान, प्रबंधन और नियंत्रण संस्थान चंद्रपूर यहा मुफ्त जाँच होती है।

सवाल ११ : सिकलसेल बिमारी का इलाज कहॉ होता है?

जवाब : हिमोग्लोबिनोपॅथी अनुसंधान, प्रबंधन और नियंत्रण संस्थान चंद्रपूर, सभी जिला अस्पताल, ग्रामीण अस्पताल, तालुका अस्पताल, मेडीकल कॉलेजऔर डे केअर सेंटर यहा मुफ्त इलाज होता है साथही अस्थिमज्जा प्रत्यारोपण शस्त्रक्रीया महाराष्ट्रामें निम्नलिखीत जगह पर उपलब्ध है।

१) लोकमान्य टिळक रुग्णालय, बोरीवली ईस्ट, मुंबई

२) कोकीलाबेन रुग्णालय, अंधेरी वेस्ट, मुंबई

सवाल १२ : क्या, सिकलसेल पिडीत (SS) शादी कर सकते है?

जवाब : शादी करना या ना करना यह पिडीत (SS) व्यक्ती का पूर्णत:ह निजी अधिकार है, लेकीन निचे दिये गये विधानों को समझकर शादी करना उचित होगा।

सिकलसेल पिडीत (SS) व्यक्तीने सिकलसेल पिडीत (SS) व्यक्तिसें शादी नही करनी चाहीयें।

सिकलसेल पिडीत (SS) व्यक्तिने सिकलसेल वाहक (AS) व्यक्तीसें शादी नही करनी चाहीयें।

सिकलसेल वाहक (AS) व्यक्तिने सिकलसेल वाहक (AS) व्यक्तीसें शादी करना टालनाही उचित होगा।

सिकलसेल पिडीत (SS) व्यक्तीसें पुर्णत: स्वस्थ व्यक्तीसें शादी कर सकते है।

सिकलसेल वाहक (AS) व्यक्ती पुर्णत:ह स्वस्थ व्यक्तीसें शादी कर सकते है।

सवाल १३ : अगर पती पत्नी दोनो सिकलसेल वाहक या सिकलसेल पिडीत है तो क्या करना चाहीये।

जवाब : अगर पती पत्नी दोनो सिकल सेल वाहक है तो गर्भाशय के भृण की जाँच करना आवश्यक है। (११ से १३ सप्ताह में सी. व्ही. एस. १४ से १७ सप्ताह मे एम्नीओंसिंटेसिस तथा १८ से २१ सप्ताह में कॉर्डोसेंटेसिस कर सकते है।)

सवाल १४ : सिकलसेल पिडीत (SS) व्यक्ती को सरकार से कौनकौनसी सुख सुविधाए मिलती है।

जवाब :

अ) सभी सरकारी/अर्ध सरकारी अस्पतालो में मुफ्त इलाज।

ब) राज्य रक्त संक्रमण परिषद की और से पहचान पत्र (जरुरत होने पर खुन की मुफ्त उपलब्धी)

क) जोखिमी (माता पिता) गर्भवती माता की गर्भजल जाँच सुविधा।

ड) दिव्यांग प्रमाणपत्र और उनके लाभ।

इ) राज्य सरकार की और से संजय गांधी निराधार अनुदान योजना के तहत दरमहा एक हजार (रु. १०००) लाभ।

ई) जिल्हा शल्य चिकीत्सक का सिकलसेल प्रमाणपत्र.

फ) सिकलसेल पिडीत (डड) मरीज को इलाज के लिए यात्रा करने पर राज्य शासन द्वारा एस. टी. महामंडल की और से किरायें में ७५% मोहलत मिलती है।